(a) भावर प्रदेश
(b) तराई प्रदेश
(c) बांगर प्रदेश
(d) खादर प्रदेश

सूचना सहायक भर्ती परीक्षा -2018 (12 मई, 2018)

Ans. (d) जहाँ प्रतिवर्ष प्राकृतिक रूप से मिट्टीयों का नवीनीकरण होता है, वह क्षेत्र खादर प्रदेश है। खादर क्षेत्रों में बाढ़ के दौरान नए जलोढ़ निक्षेप होता है और बाढ़ के बाद ये कृषि के लिए उपयोगी हो जाती है। नदियों के आसपास के क्षेत्र प्रतिवर्ष बहाकर लाई जाने वाली नवीन और अधिक उपजाऊ मृदा को खादर कहते हैं। खादर मृदा रेतीली और हल्की होती है।

352. राजस्थान के किस जिले में जलोढ़ मृदा पायी जाती है?

(a) नागौर (b) भरतपुर
(c) बाड़मेर (d) जैसलमेर

स्टेनोग्राफर भर्ती परीक्षा-2019 (21 मार्च, 2021)

Ans. (b) राजस्थान के भरतपुर, अलवर, जयपुर, सवाई माधोपुर तथा गंगानगर जिले के मध्य भाग में जलोढ़ मृदा पायी जाती है। ये सभी राजस्थान राज्य के उत्तर-पूर्वी भाग में स्थित हैं। इस प्रकार की मिट्टी में चूना, फॉस्फोरिक एसिड और ह्यूमस की कमी होती है।

353. हाड़ौती प्रदेश की मृदा का प्रधान प्रकार है-

(a) वर्टीसॉल (b) अल्फीसॉल
(c) इनसेप्टीसॉल (d) एण्टीसॉल

संगणक भर्ती परीक्षा-2021 (19 दिसम्बर, 2021)

Ans. (a) हाड़ौती प्रदेश की मृदा का प्रधान प्रकार वर्टीसॉल है। वर्टीसॉल्स राज्य में 'आर्द्र एवं अति आर्द्र जलवायु में पाई जाने वाली मिट्टी है इसमें अत्यधिक क्ले उपस्थित होती है। ये मिट्टी राज्य के झालावाड़, बारां, कोटा तथा बूंदी जिलो में पाई जाती है।

354. जलवायु प्रतीकों के अनुसार Bwh प्रकार की जलवायु .....में उपलब्ध है।

(a) जैसलमेर (b) जयपुर
(c) बारां (d) डूंगरपुर

पुस्तकालय (लाइब्रेरियन) भर्ती परीक्षा- 2019

Ans. (a) Bwh प्रकार की जलवायु राजस्थान के पश्चिमी भाग में पाई जाती है। यहाँ वर्षा बहुत कम होने के कारण वाष्पीकरण अधिक होता है। इस प्रदेश में मरूस्थलीय जलवायु पायी जाती है। इस प्रदेश के अन्तर्गत-जैसलमेर, पश्चिमी बीकानेर, उतर पश्चिमी जोधपुर, हनुमानगढ़ तथा गंगानगर आदि आते हैं।

355. राजस्थान के सर्वाधिक क्षेत्र पर निम्नलिखित में से कौन सी मृदा पायी जाती है?

(a) एरिडोसोल्स एवं एण्टिसोल्स
(b) एरिडोसोल्स एवं अल्फीसोल्स
(c) इनसेप्टिसोलस
(d) वर्टीसोल्स एवं अल्फीसोल्स

48 LA2018_Question Paper Code-48
Librarian Exam Date-13.11.2016
प्रयोगशाला सहायक-2018 (03 फरवरी 2019)
JEN Mechanical Degree (Non TSP Area) 21.8.2016

Ans. (a) आधुनिक वैज्ञानिक पद्धति के अनुसार मृदा का वर्णीकरण किया गया है। जिसमें राजस्थान की मिट्टी को 5 भागों में वर्गीकृत किया गया है
(1) एन्टीसोल्स (रेगिस्तानी)
(2) एरिडोसोल्स (बलुई मिट्टी)
(3) वर्टी सोल्स (काली मिट्टी)
(4) इनसेप्टीसोल्स (पथरीली मिट्टी)
(5) अल्फीसोल्स (जलोढ़ क्षेत्र) एन्टी सोल्स तथा एरिडोसोल्स का विस्तार राजस्थान के सर्वाधिक क्षेत्रफल पर पाया जाता है। एण्टीसोल्स मृदा पश्चिमी राजस्थान के लगभग सभी जिलों में पायी जाती है। इसके अन्तर्गत लगभग 17 जिले आते है।

356. कथन (A) राजस्थान में पाई जाने वाली सीरोजम मिट्टी की उर्वरा शक्ति अपेक्षाकृत कम होती है।
कारण (R) सीरोजम मिट्टी में नाइट्रोजन तथा कार्बनिक पदार्थों की कमी होती है।

कूट-

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं, परन्तु (R) (A) की सही व्याख्या नहीं करता
(b) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है।
(c) (A) और (R) दोनों सही है, तथा (R) (A) की सही व्याख्या करता है।
(d) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है।

Patwar-Exam-2016 (Main) -24.12.2016

Ans. (c) सीरोजम मृदा रंग में पीले और भूरे रंग की होती है। यह अरावली के पश्चिम में छोटे टीलों वाले क्षेत्रों जैसे पाली, नागौर, अजमेर, जयपुर व दौसा में पायी जाती है। इसमें नाइट्रोजन और कार्बनिक पदार्थों की कमी होती है। इसकी उर्वरा शक्ति कम होती है।

357. मिट्टी की लवणता एवं क्षारीयता का ठोस उपचार क्या है-

(a) रॉक फास्फेट शोधन
(b) यूरिया शोधन
(c) जिप्सम शोधन
(d) बेन्टोनाइट शोधन

Live Stock Assistant (Tsp Area)- 16.10.2016

Ans. (c) लवणीय एवं क्षारीय मृदा भारत के शुष्क एवं अर्द्धशुष्क क्षेत्रों में पाई जाती है। इन स्थानों पर प्रायः भूमिजल भी खारा पाया जाता है। भारत में करीब 6.73 मिलियन हेक्टेयर भूमि लवणीय एवं क्षारीय श्रेणी के अंतर्गत विस्तारित है। लवणीय व क्षारीय भूमि के निदान के लिए इसमें जिप्सम मिलाया जाता है जिप्सम एक तलछट खनिज है। इसमें 23.3% कैल्शियम एवं 18.5% सल्फर होता है। जब यह जल में घुलता है तो कैल्शियम एवं सल्फेट आयन प्रदान करता है। आयनों के कणों में यह परिवर्तन मृदा की रासायनिक और भौतिक अवस्था में परिवर्तन लाता है साथ ही जिप्सम भूमि में सूक्ष्म पोषक तत्वों का अनुपात बनाने में सहायता करता है।

358. राजस्थान में मिट्टी अपरदन का सर्वाधिक क्षेत्र पाया जाता है-

(a) श्रीगंगानगर में (b) हाड़ौती पठार में
(c) डूंगरपुर में (d) सिरोही में

LDC Exam 09.08.2018